

२०३  
५

पञ्चावनी वास्तुतः मूलपाठ का निम्नलिखित लेख  
के कारण प्रायः पत्र २।२ ₹०० अचिन्तनी है।  
अतः प्रायः पत्र २।२ ₹०० ही लाने पर  
स्वच्छिन्न किन्तु प्राप्त है। पञ्चावनी निम्नलिखित  
पत्रिका इन्टर वेब नं. से का है।

(पवन कुमार)  
उपखण्ड अधिकारी  
अनूपगढ़